वेव्स एंटी पायरेसी चुनौती

अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी समाधानों के साथ साइबर सुरक्षा खतरे रोकने के लिए मजबूत व्यवस्था

08 मार्च 2025
नयी दिल्ली

अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी समाधानों के साथ साइबर सुरक्षा खतरे रोकने के लिए मजबूत व्यवस्था

परिचय

वेव्स एंटी-पायरेसी चैलेंज क्रिएट इन इंडिया चैलेंज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य तेजी से आगे बढ़ते तकनीकी युग में डिजिटल सामग्री की सुरक्षा करना है। जैसे-जैसे डिजिटल मीडिया की खपत बढ़ती है, वैसे-वैसे पायरेसी, अनधिकृत वितरण और सामग्री हेरफेर की चुनौतियाँ भी बढ़ती हैं। यह चुनौती फ़िंगरप्रिंटिंग और वॉटरमार्किंग तकनीकों में अभिनव समाधानों को बढ़ावा देने का प्रयास करती है, जिससे व्यक्तियों, शोध टीमों, स्टार्टअप और स्थापित संगठनों की भागीदारी को बढ़ावा मिलता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 1,296 पंजीकरण प्राप्त हुए, जो डिजिटल सामग्री सुरक्षा में गहरी रुचि को दर्शाता है।

यह चुनौती विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन का हिस्सा है, जो संपूर्ण मीडिया और मनोरंजन (एम एंड ई) क्षेत्र के मेलमिलाप के लिए एक अनूठा केन्द्र और अध्ययन मंच है। यह आयोजन एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है जिसका उद्देश्य वैश्विक एम एंड ई उद्योग का ध्यान भारत की ओर आकर्षित करना और इसे भारतीय एम एंड ई क्षेत्र के साथ-साथ इसकी प्रतिभाओं से जोड़ना है। 1 से 4 मई 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर और जियो वर्ल्ड गार्डन में आयोजित होने वाले इस शिखर सम्मेलन को चार प्रमुख स्तंभों के इर्द-गिर्द व्यवस्थित किया गया है। प्रसारण और इन्फोटेनमेंट, एवीजीसी एक्सआर जिसमें एनिमेशन, विज़ुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स और विस्तारित वास्तविकता, डिजिटल मीडिया और इनोवेशन और फ़िल्में शामिल हैं। वेव्स एंटी-पायरेसी चैलेंज प्रसारण और इन्फोटेनमेंट खंड के अंतर्गत आता है, जो सामग्री

का सटीक और विश्वसनीय होना सुनिश्चित करते हुए सूचना प्रसार के विकसित तरीकों पर ध्यान केन्द्रित करता है।

क्रिएट इन इंडिया चैलेंजेस में महत्वाकांक्षी और पेशेवर रचनाकारों से 73,000 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए हैं, जो भारत के मीडिया और मनोरंजन इकोसिस्टम में बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाता है।

उद्देश्य

इस चुनौती का उद्देश्य फिंगरप्रिंटिंग और वॉटरमार्किंग प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में घरेलू कंपनियों द्वारा विकसित अभिनव समाधानों को प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना है। स्थानीय नवाचार को बढ़ावा देकर, चुनौती का उद्देश्य है:

- घरेलू कंपनियों को अपने समाधान प्रदर्शित करने और उद्योग जगत में मान्यता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना
- सुरक्षा और डिजिटल मीडिया का पता लगाने की क्षमता बढ़ाने वाली नवीन तकनीकों के विकास को प्रोत्साहित करना
- ऐसे व्यावहारिक एप्लीकेशनों को बढ़ावा देना जिन्हें मौजूदा मीडिया वर्कफ़्लो में सहजता से जोड़ा जा सके।
- सामग्री संरक्षण में वर्तमान और उभरती चुनौतियों का समाधान करने वाली नई प्रौद्योगिकियों के विकास में सहयोग करना

पात्रता मापदंड

❖The challenge is open to individuals, research teams, startups, and established organisations with expertise or interest in digital content security.

❖All submissions must include a working prototype of the technology, demonstrating its core functionality and real-world application potential.

A team can have a maximum of 5 members.

प्रस्तुतिकरण श्रेणियाँ

Fingerprinting Technologies

- Solutions for identifying and tracking digital content using unique, invisible markers.

Watermarking Technologies

- Techniques for embedding information within digital content to assert ownership and trace distribution.

Others

- Innovative solutions leveraging technologies such as blockchain, Digital Rights Management (DRM), and other content protection methods.

मूल्यांकन के मानदंड

Innovation: The novelty and originality of the technology.

Effectiveness: The ability to protect and track digital content efficiently.

Practicality: Ease of implementation and integration into current systems.

Scalability: The potential for widespread adoption and impact.

User Experience: The ease of use and impact on existing content workflows.

Prototype Functionality: The quality and practical demonstration of the technology’s core features.

घटनाक्रम

पुरस्कार और मान्यता

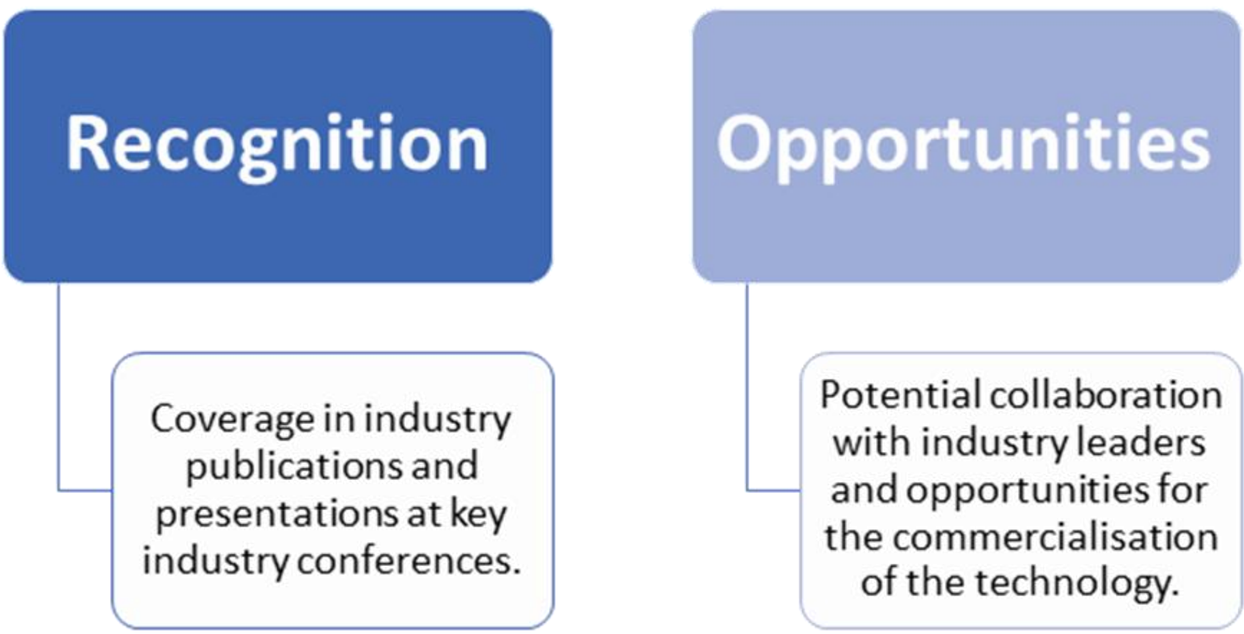

निष्कर्ष

वेव्स एंटी-पायरेसी चैलेंज, फिंगरप्रिंटिंग और वॉटरमार्किंग तकनीकों में घरेलू नवाचार को बढ़ावा देकर डिजिटल कंटेंट सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के हिस्से के रूप में, इसने उल्लेखनीय रुचि प्राप्त की है, जो पायरेसी और अनधिकृत

वितरण से निपटने में उन्नत समाधानों की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी अग्रदूतों के समर्थन से, यह चुनौती न केवल अभूतपूर्व विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के लिए भी मार्ग प्रशस्त करती है जो डिजिटल मीडिया की अखंडता की रक्षा कर सकते हैं। जैसा कि विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन वैश्विक और भारतीय हितधारकों को एक साथ लाता है, यह चुनौती मीडिया और मनोरंजन सुरक्षा में अत्याधुनिक प्रगति के केन्द्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करती है।

संदर्भ :

- https://wavesindia.org/challenges-2025
- https://antipiracychallenge.my.canva.site/

कृपया पीडीएफ फाइल ढूंढें

****

वेव्स के बारे में

मीडिया और मनोरंजन (एम एंड ई) क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर कार्यक्रम, पहला विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स), भारत सरकार द्वारा मुंबई, महाराष्ट्र में 1 से 4 मई, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। चाहे आप एक उद्योग पेशेवर, निवेशक, निर्माता या नवप्रवर्तक हों, शिखर सम्मेलन एम एंड ई परिदृश्य से जुड़ने, सहयोग करने, नवाचार करने और योगदान करने के लिए अंतिम वैश्विक मंच प्रदान करता है। वेव्स भारत की रचनात्मक शक्ति को बढ़ाने के लिए तैयार है, जो कंटेंट निर्माण, बौद्धिक संपदा और तकनीकी नवाचार के केन्द्र के रूप में इसकी स्थिति को बढ़ाएगा। जो उद्योग और क्षेत्र प्रमुख रूप से शामिल हैं उनमें प्रसारण, प्रिंट मीडिया, टेलीविजन, रेडियो, फिल्म, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स, ध्वनि और संगीत, विज्ञापन, डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, जनरेटिव एआई, संवर्धित वास्तविकता (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर), और विस्तारित वास्तविकता (एक्सआर) हैं।

क्या आपके पास कोई सवाल है? यहां उत्तर पाएँ

आइए, यात्रा में हमारे साथ शामिल होइए ! वेव्स के लिए अभी रजिस्टर करें (*जल्द ही आ रहा है!*)।

***

एमजी/केसी/केपी/डीके